संविधान दिवस

- भारतीय संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस के रुप में भी जाना जाता है।
- 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को औपचारिक रुप से अपनाया गया था जिसे
- 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।
- 19 नवंबर 2015 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रुप में मनाने की घोषणा की थी।
- संविधान के निर्माण में 2 वर्ष ।। महीने और 18 दिन का समय लगा था।
- मूल रुप से संविधान अंग्रेजी और हिंदी में लिखा गया था।
- वर्ष 1934 में एम.एन. रॉय ने पहली बार संविधान सभा के विचार का प्रस्ताव रखा था।
- वर्ष 1946 में केबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान सभा के गठन के लिये चुनाव हुए।
- संविधान की मूल प्रति को प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने अपने हाथों से लिखा था।

संविधान दिवस

महत्वपूर्ण समितियां और उनके अध्यक्ष

- संघ शक्ति समिति;- जवाहरलाल नेहरु
- केंद्रीय संविधान समिति- जवाहरलाल नेहरु
- मसौदा समिति- वी.आर, अंबेडकर
- प्रांतीय संविधान समिति- वल्लभभाई पटेल
- मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय तथा बहिष्कृत क्षेत्रों पर सलाहकार समिति-वल्लभभाई पटेल
- प्रक्रिया समिति नियम- राजेंद्र प्रसाद
- राज्य समिति (राज्यों के साथ बातचीत के लिये समिति)- जवाहरलाल नेहरु
- संचालन समिति- राजेंद्र प्रसाद

विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र

- संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने नूर अबू धाबी सोलर प्लांट को हरित ऊर्जा के प्रति राष्ट्र के समर्पण के रूप में प्रस्तुत किया है।
- यह दुनिया के सबसे बड़े स्टैंड-अलोन परिचालनरत सौर ऊर्जा संयंलों में से एक है।
- इसकी कुल क्षमता 1.2 गीगावॉट (GW) है।
- अल धफरा सोलर पीवी का उद्घाटन यूएई के स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- यह परियोजना यूएई के नेट ज़ीरो 2050 लक्ष्य के अनुरूप है, जो प्रति व्यक्ति आधार पर सौर ऊर्जा उत्पादन में इसके नेतृत्व को मजबूत करती है।
- कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया का पहला सौर ऊर्जा संचालित हवाई अड्डा है।
- राजस्थान में भड़ला सोलर पार्क की क्षमता 2.25 GW है। यहां एक से अधिक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हैं।
- कर्नाटक में पवागड़ा सोलर पार्क की क्षमता 2 गीगावॉट है।
- रामागुंडम फ्लोटिंग सोलर PV परियोजना भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना है।
- यह तेलंगाना के रामागुंडम में स्थापित है। इसका 2022 में परिचालन आरंभ हुआ था।

एवियन इन्फ्लूएंजा ए (H9N2) वायरस

- चीन में H9N2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के मामलों ने दुनियाभर के देशों की चिंताएं एक बार फिर बढ़ा दी हैं।
- भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वह उत्तरी चीन में बच्चों में फैल रहे H9N2 के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।
- H9N2 इन्फ्लूएंजा A वायरस का एक उप-प्रकार है।
- यह ह्यूमन इन्फ्लूएंजा के साथ-साथ बर्ड फ्लू का भी कारण बनता है।
- H9N2 को जंगली पक्षियों और स्तनधारियों जैसे- मनुष्यों, बिल्लियों, कुत्तों, सूअरों आदि सहित अन्य 50 से अधिक प्रजातियों में पाया गया है।
- इस वायरस के संक्रमण का संचरण संक्रमित जीवित या मृत कुक्कुट के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क के कारण होता है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान (ICAR-NIHSAD) ने 'मुर्गियों के लिए इनएक्टिवेटेड लौ पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (H9N2) वैक्सीन' विकसित की है।